# DEPARTMENT OF SANSKRIT

## COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

# B.A. I & II Semester
# SANSKRIT

## (Based on Choice Based Credit System)

### SESSION : 2024-25

ESTD : 1958


## GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree/Honors) | | Semester- I | Session 2024-25 |
| 1 | Course Code | SNSC – 01 | |
| 2 | Course Title | नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल | |
| 3 | Course Type | DSC | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | प्राचीन नाट्यसाहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक-व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा।<br>मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात्करने की प्रेरणा मिलेगी।<br>विश्वस्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा।<br>वर्णमाला की गहन जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।<br>शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours- learning & Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks :100 | Min. Passing Marks :40 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periods (60 Hours) | | |
| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| I | संस्कृतनाटक परिचय<br>स्वप्नवासवदत्तम्–प्रथम से चतुर्थ अंक पर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न) | 15 |
| II | स्वप्नवासवदत्तम्–पंचम अंक से समाप्तिपर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न) | 15 |
| III | संस्कृत संभाषण तथा लेखन - (निम्नलिखित अनुसार शिक्षण केन्द्रित होगा।) | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | सुबन्त (शब्दरूप) - देव, भानु, पितृ, करिन्, भवत्, कर्तृ, आत्मन्, लता, मति, नदी, मातृ, फल, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्,अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्।<br><br>तिङन्त (धातुरूप)-भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि, इन चार गणों के धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्लकारों के रूप एवं अस् और कृ धातु के उक्त लकारों के रूप।<br><br>अव्यय-अत्र, यत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, अधुना, इदानीम्, अद्य, श्वः, परश्वः, ह्यः,परह्यः,आम्,न, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, यदा,तदा, कदा, सदा, सर्वदा, किम्, कुतः, कति, किमर्थम्, अतः। | |
| IV | प्रत्याहार, संज्ञा, सन्धि<br>(लघुसिद्धान्तकौमुदी से परिचय अध्येतव्य) | 15 |
| Keywords | स्वप्नवासवदत्तम्,संस्कृतसंभाषण,सुबन्त,तिङन्त ,प्रत्याहार, संज्ञा, सन्धि | |

The course of SNSC-01 & SNSC-02 considering as GE also for other faculties.

Signature of Convener & Members(CBoS) :

| PART – C : Learning Resources |
|---|
| Text Books and Others |
| Text Books Recommended –<br>1. स्वप्नवासवदत्तम् –श्री तारिणीश झा, प्रकाशक -रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद<br>2. स्वप्नवासवदत्तम्–वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक –महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा<br>3. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी<br>4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी<br>5. अनुवाद चन्द्रिका –डा. यदुनन्दन मिश्र,प्रकाशक -चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली<br>6. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, प्रकाशक - भारतीभवन<br>7. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री महेश सिंह कुशवाह, प्रकाशक – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी |

| |
|---|
| 8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – रामविलास चौधरी, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी<br>9. रूपचन्द्रिका – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक –चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी<br>10. संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् – डा. नरेन्द्र, प्रकाशक -श्रीअरविन्दआश्रम |
| Online Resources- |
| Online Resources- |

## PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks : 100 Marks

Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks

End Semester Exam (ESE) : 70 Marks

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal Assessment (CIA):<br>(By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :20& 20<br>Assignment / Seminar- 10<br>Total Marks- 30 | Better marks out of the two Test / Quiz<br>+obtained marks in Assignment shall be considered against 30marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1Objective-10 × 1=10 MarksQ2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2from each unit-4 × 10=40 Marks | |

Signature of Convener & Members(CBoS) :

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

## PART-A: Introduction

| | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree/Honors) | | Semester- II | Session 2024-25 |
| 1 | Course Code | SNSC – 02 | |
| 2 | Course Title | प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य | |
| 3 | Course Type | DSC | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | विश्व के प्राचीनतम तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थ ऋग्वेद तथा अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीन ज्ञान-सम्पदा का बोध होगा।<br>वैदिकसाहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्वचिन्तन के उच्च आदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा।<br><br>उपदेशात्मक ग्रन्थ से नैतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान की लब्धि होगी।<br>ज्ञानार्जन के साथ उच्चारण एवं भाषिक क्षमता में अभिवृद्धि होगी।<br>आधुनिक युग की संस्कृत रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

## PART – B Content of the Course

Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periods (60 Hours)

| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
|---|---|---|

| | | |
|---|---|---|
| I | वैदिक एवं पौराणिक साहित्य -<br>वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांगों एवं पुराणों का संक्षिप्त परिचय | 15 |
| II | शुकनासोपदेश- व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न | 15 |
| III | हितोपदेश (मित्रलाभ) व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न | 15 |
| IV | आधुनिक संस्कृत कवि-परिचय -<br>अप्पा शास्त्री राशीवडेकर, पंडिताक्षमाराव, जगन्नाथ पाठक,<br>श्रीनिवासरथ, जानकीवल्लभ शास्त्री, वेंकटरामराघवन, अभिराजराजेंद्रमिश्र, डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, हर्षदेवमाधव, डॉ.रेवाप्रसाद द्विवेदी, डॉ.पुष्पादीक्षित,<br>डॉ.कामता प्रसाद त्रिपाठी | 15 |
| Keywords | वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांग, पुराण,<br>शुकनासोपदेश,हितोपदेश,मित्रलाभ,आधुनिकसंस्कृतकवि | |

The course of SNSC-01 & SNSC-02 considering as GE also for other faculties.

## PART – C : Learning Resources

Text Books and Others

Text Books Recommended –


1. ऋक्सूक्तसंग्रह – तारिणीश झा, प्रकाशक – प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. ऋग्वेदसंहिता - श्रीमन्मोक्षमूलर भट्ट, प्रकाशक –कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. शुक्लयजुर्वेद संहिता - श्रीरामकृष्ण शास्त्री, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन वारासी
4. पुराण-विमर्श –आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक–चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. वैदिकसाहित्यस्येतिहासः – डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक–श्याम प्रकाशन, जयपुर
6. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक– शारदा मन्दिर, काशी
7. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक -चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
8. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
9. संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– डा. कपिलदेव द्विवेदी
10. शुकनासोपदेश – प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
11. हितोपदेश (मित्रलाभ) - प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
12. हितोपदेश (मित्रलाभ) -आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्मी,प्रकाशक – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी
13. हितोपदेश - नारायणराम आचार्य तीर्थ, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
14. नवस्पन्दसम्पादक–डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक –मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

| |
|---|
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |

| PART – D: Assessment and Evaluation | | |
|---|---|---|
| Suggested Continuous Evaluation Methods :<br>Maximum Marks : 100 Marks<br>Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks<br>End Semester Exam (ESE) : 70 Marks | | |
| Continuous Internal Assessment (CIA):<br>(By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10<br>Total Marks - 30 | Better marks out of the two Test / Quiz<br>+obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Diploma/Degree/Honors) | | Semester- III | |
| 1 | Course Code | SNSC – 03 | |
| 2 | Course Title | नाटक तथा व्याकरण | |

# DEPARTMENT OF SANSKRIT

## COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

# B.A. III, IV, V, VI Semester
# SANSKRIT

## (Based on Choice Based Credit System)

### SESSION : 2024-25

ESTD : 1958

## GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)
NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)
Phone : 0788-2212030
Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

# बी.ए. – तृतीय सेमेस्टर (संस्कृत)

## सत्र : 2024–25

## DSC

## विषय : नाटक, व्याकरण तथा रचना

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

| पाठ्यक्रम उद्देश्य |
|---|
| • विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।<br>• संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।<br>• संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।<br>• संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।<br>• भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी। |

क्रेडिट – 04
पूर्णांक – 80

पाठ्यक्रम विवरण

| | | |
|---|---|---|
| | | इकाई 1 |
| अध्याय: नाटक | : | नागानन्द (श्रीहर्षकृत)<br>(प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम अंक)<br>द्वितीय एवं तृतीय अंक द्रुत पाठ। |
| | | इकाई 2 |
| अध्याय: समीक्षा | : | नागानन्द |
| | | इकाई 3 |
| अध्याय: व्याकरण (वाच्य) | : | लघुसिद्धांत कौमुदी : कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य। |
| | | इकाई 4 |
| अध्याय: व्याकरण | : | लघुसिद्धांत कौमुदी : समास प्रकरण |
| | | इकाई 5 |
| अध्याय: वाक्य रचना | : | व्याकरण के अधीत अंश पर आधारित पांच संस्कृत शब्दों से वाक्य रचना |

### अनुशंसित ग्रन्थ :


1. शीघ्रबोधव्याकरणम् : डॉ. पुष्पा दीक्षित, पणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर
2. नागानन्द नाटक : श्री हर्षरचित, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
3. लघुसिद्धांत कौमुदी : श्री घरानन्द शास्त्री
4. रचनानुवाद कौमुदी : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
5. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें : उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना


Thakur

## स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।


## स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।


| प्रश्न के प्रकार | इकाई 1 | इकाई 2 | इकाई 3 | इकाई 4 | इकाई 5 |
|---|---|---|---|---|---|
| A अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 |
| B अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 |
| C लघुउत्तरीय प्रश्न | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 |
| D दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 |
| | 16 | 16 | 16 | 16 | 16 |
| | | | | | पूर्णांक 80 |
| आंतरिक परीक्षा सतत् व्यापक मूल्यांकन | पाठ्य संबंधित परियोजना/असाइंटमेंट/पेपर प्रेजेटेंशन – 10<br>आंतरिक टेस्ट 10 | | | | 20 अंक |

| अधिगम परिणाम |
|---|
| अभिनय कला के सांगोपांग ज्ञान से सम्बन्धित क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर की संभावना बनेगी।<br>पाठ्य नाटक से पर – हितार्थ सहयोग तथा त्याग – भावना की प्रवृत्ति उदित होगी।<br>व्याकरण के अनुशीलन से पदच्छेद, पदों के समास तथा वाक्यों के वाच्य – परिवर्तन की क्षमता निर्मित होगी।<br>संस्कृत संभाषण – लेखन का कौशल विकसित होगा। |

| मूल्यांकन योजना | अधिकतम अंक 100 | |
|---|---|---|
| बाह्य परीक्षा<br>अति लघुउत्तरीय<br>लघूत्तरीय<br>अति दीर्घउत्तरीय | खण्ड अ – 2X10=20<br>खण्ड ब – 4X5=20<br>खण्ड स – 8X5=40 | 80 अंक |
| आंतरिक परीक्षा<br>सतत् व्यापक मूल्यांकन | पाठ्य संबंधित परियोजना/असाइंटमेंट/पेपर प्रेजेटेंशन – 10<br>आंतरिक टेस्ट 10 | 20 अंक |

## नाम एवं हस्ताक्षर

| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान | अन्य विभागीय सदस्य |
|---|---|
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय | 1. प्रो. थानसिंह वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल | 2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | 3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर |

# बी.ए. – चतुर्थ सेमेस्टर (संस्कृत)
## सत्र : 2024–25
## DSC
## विषय : पद्य, तथा साहित्येतिहास

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदानुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

| पाठ्यक्रम उद्देश्य |
|---|
| • विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा। |
| • संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी। |
| • संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा। |
| • संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी। |
| • भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी। |

क्रेडिट – 04
पूर्णांक – 80

पाठ्यक्रम विवरण

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | इकाई 1 |
| अध्यायः | पद्य काव्य | : | रघुवंशमहाकाव्यम् द्वितीय सर्ग |
| | | | इकाई 2 |
| अध्यायः | समीक्षा | : | रघुवंशमहाकाव्यम् |
| | | | इकाई 3 |
| अध्यायः | नीतिशतकम् | : | नीतिशतकम् (भर्तृहरिकृत) |
| | | | इकाई 4 |
| अध्यायः | महाकाव्य खंडकाव्य, गद्यकाव्य | : | महाकाव्य खंड काव्य, गद्य काव्य<br>महाकाव्य – रघुवंश, कुमार सम्भव, बुद्धचरित, सौदरानन्द, किरातार्जुनीय, नैषधीयचरित भट्टी काव्य, जानकी हरण, विक्रमांकदेवचरित, राजतरंगिणी।<br>खंड काव्य – (गीतिकाव्य एवं मुक्तक), शतकत्रय, ऋतुसंघार, मेघदूत, गीतगोविन्द, पंचलहरी।<br>गद्य काव्य – वासवदत्ता, कादम्बरी, हर्षचरित, दश कुमारचरित, शिवराजविजय (इन ग्रन्थों के लेखकों का सामान्य परिचय अपेक्षित) |
| अध्यायः | नाटक एवं साहित्येतिहास | : | नाटक एवं साहित्येतिहास<br>नाटक – स्वप्नवासवदत्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, |

मृच्छकटिकम्, मुद्राराक्षस, वेणीसंघार, नागानन्द परिचय
कथा साहित्य – पंचतंत्र, हितोपेदश, वेताल पंचविशंति, कथासरितसागर, वृहत्कथामंजरी।
(इन ग्रन्थों के लेखकों का सामान्य परिचय अपेक्षित)

**अनुशंसित ग्रन्थ :**

1. रघुवंशमहाकाव्यम् द्वितीय सर्ग : चौखंबा प्रकाशन वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास : पं. बलदेव उपध्याय
3. संस्कृत साहित्य का अभिवनव इतिहास : डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

**स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –**

- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।

**स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –**

- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई 1 | इकाई 2 | इकाई 3 | इकाई 4 | इकाई 5 |
|---|---|---|---|---|---|
| A अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 |
| B अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 |
| C लघुउत्तरीय प्रश्न | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 |
| D दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 |
| | 16 | 16 | 16 | 16 | 16 |
| | | | | | पूर्णांक 80 |
| आंतरिक परीक्षा सतत् व्यापक मूल्यांकन | | पाठ्य संबंधित परियोजना/असाइंटमेंट/पेपर प्रेजेटेंशन – 10<br>आंतरिक टेस्ट 10 | | | 20 अंक |

| अधिगम परिणाम |
| --- |
| काव्य के दृश्य – श्रव्य आदि भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा। विभिन्न ऐतिहासिक वृत्तों की जानकारी प्राप्त होगी।<br>पाठ्य विषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे।<br>नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्रय – विकास होगा।<br>भारतीय मनीषी तत्व – चिन्तको द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व अवदान की जानकारी मिलेगी। |

## नाम एवं हस्ताक्षर

| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान | अन्य विभागीय सदस्य |
| --- | --- |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय | 1. प्रो. थानसिंह वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल | 2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | 3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर Uthakur |

# बी.ए. – पंचम सेमेस्टर (संस्कृत)
## सत्र : 2024–25
## DSC
## विषय : नाटक, छन्द तथा व्याकरण

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

| पाठ्यक्रम उद्देश्य |
| --- |
| • विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।<br>• संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।<br>• संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।<br>• संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।<br>• भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी। |

क्रेडिट – 04
पूर्णांक – 80

**पाठ्यक्रम विवरण**

**इकाई 1**

अध्यायः नाटक : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदासकृत)

**इकाई 2**

अध्यायः समीक्षा : अभिज्ञानशाकुन्तलम्

**इकाई 3**

अध्यायः छन्द : निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण

अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपवेनद्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततलिका, शार्दूलविक्रीडित, स्त्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता।

**इकाई 4**

अध्यायः व्याकरण : लघुसिद्धांत कौमुदी –

: कृदन्त प्रकरण – तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, क्यप्, शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, ण्वुल, तृच्, ल्युट्, अण्

**इकाई 5**

अध्यायः व्याकरण : लघुसिद्धांत कौमुदी –

1. तद्धित् प्रत्यय – अण्, ढक्, ष्यञ्, त्व, तढक, इमनिच्, अयम्, मतुप, इनि, इतच्, ईयसुन, तमप्, तरप्, ण्य, ययम्
2. स्त्री प्रत्यय – टाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्।

## अनुशंसित ग्रन्थ :

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् : महाकवि कालिदासरचित, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी
2. शीघ्रबोधव्याकरणम् : डॉ. पुष्पा दीक्षित, पणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर
3. लघुसिद्धांत कौमुदी : श्री घरानन्द शास्त्री
4. संस्कृत हिन्दी कोष : वमन शिवराम आपटे
5. छन्दोमंजरी : चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

### स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।


### स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।


| प्रश्न के प्रकार | इकाई 1 | इकाई 2 | इकाई 3 | इकाई 4 | इकाई 5 |
|---|---|---|---|---|---|
| A अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 |
| B अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 |
| C लघुउत्तरीय प्रश्न | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 |
| D दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 |
| | 16 | 16 | 16 | 16 | 16 |
| | | | | | पूर्णांक 80 |
| आंतरिक परीक्षा सतत् व्यापक मूल्यांकन | | पाठ्य संबंधित परियोजना/असाइंटमेंट/पेपर प्रेजेटेंशन – 10<br>आंतरिक टेस्ट 10 | | | 20 अंक |

| अधिगम परिणाम |
|---|
| विश्वप्रसिद्ध नाटक की काव्यगत विशेषताओं की जानकारी मिलेगी। |
| अभिनय कला के कलात्मक तथा भावात्मक पक्ष का ज्ञान होगा। |
| व्याकरण के प्रत्यय – अनुशीलन से पद–व्युत्पति का बोध विस्तार होगा। |
| भाषिक क्षमता की वृद्धि होगी। |
| छत्तीसगढ़ के तीर्थ – स्थलों के अनुशीलन से प्रदेश के भौगोलिक – धार्मिक वैशिष्ठ्य का ज्ञान प्राप्त होगा। |

## नाम एवं हस्ताक्षर

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | अन्य विभागीय सदस्य<br><br>1. प्रो. थानसिंह वर्मा<br>2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा<br>3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर Thakur |

# बी.ए. – षष्ठम (संस्कृत)
## सत्र : 2024–25
## DSC
## विषय : काव्य, अलंकार एवं निबंध

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

| पाठ्यक्रम उद्देश्य |
|---|
| • विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा। <br> • संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी। <br> • संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा। <br> • संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी। <br> • भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी। |

क्रेडिट – 04
पाठ्यक्रम विवरण
पूर्णांक – 80

इकाई 1

अध्यायः काव्य : किरातार्जुनीयम् महाकाव्य (भारविकृत) प्रथम सर्ग

इकाई 2

अध्यायः समीक्षा : किरातार्जुनीयम्

इकाई 3

अध्यायः मूलरामायणम् : वाल्मीकिकृत

इकाई 4

अध्यायः अलंकार : उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थन्तरन्यास, स्वाभावोक्ति, काव्यलिंग) अतिशयोक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, दृष्टांत, प्रतिस्तूपमा, निदर्शना, यमक, शब्दश्लेष, अनुप्रास, अनन्वय, ससन्देह, भ्रांतिमान्।
टिप्पणी : अलंकारों के लक्षण – चन्द्रलोक, साहित्य दर्पण अथवा काव्य प्रकाश नामक ग्रन्थ से अध्येतव्य है। उदाहरण – पाठ्यक्रमों में दिए गए पुस्तकों से भी दिये जा सकते हैं।

इकाई 5

अध्यायः निबन्ध : (संस्कृत भाषा में) 15 वाक्यों में।
टिप्पणी : निबन्ध, समीक्षात्मक अथवा विश्लेषणात्मक न होकर वर्णनात्मक पूछे जायेंगे।

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग : भारविकृत

2. संस्कृत निबन्ध शतकम् : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

3. निबन्ध परिजात : डॉ. रजनीकान्त लहरी, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

4. रचनानुवाद कौमुदी : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

5. प्रबन्ध रत्नाकर : डॉ. रमेशचन्द्र शुक्ल, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

6. मूलरामायणम् – वाल्मीकिकृत चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

## स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।

| प्रश्न के प्रकार | इकाई 1 | इकाई 2 | इकाई 3 | इकाई 4 | इकाई 5 |
|---|---|---|---|---|---|
| A अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 |
| B अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 | 2x1=2 |
| C लघुउत्तरीय प्रश्न | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 | 5x1=5 |
| D दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 | 7x1=7 |
| | 16 | 16 | 16 | 16 | 16 |
| | | | | | पूर्णांक 80 |
| आंतरिक परीक्षा सतत् व्यापक मूल्यांकन | पाठ्य संबंधित परियोजना/असाइंटमेंट/पेपर प्रेजेटेंशन – 10<br>आंतरिक टेस्ट 10 | | | | 20 अंक |

| अधिगम परिणाम |
|---|
| आदिकाव्य रामायण महाकाव्य के अनुशीलन से भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रसार तथा चारित्रिक आदर्श की प्रेरणा प्राप्त होगी।<br>महाभारत – आधारित ग्रन्थानुशीलन से कथा – परिचय सह राजनीतिक सूझ का विकास होगा।<br>छन्दों के ज्ञान से मौलिक काव्य – निर्माण की योग्यता विकसित होगी।<br>अलंकार – ज्ञान से मौलिक कल्पना तथा चिन्तन को विस्तार मिलेगी।<br>संस्कृत भाषा में निबन्ध, समाचार आदि लेखन – क्षमता से व्यावसायिक अवसर उपलब्ध होगा। |

## नाम एवं हस्ताक्षर

| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान | अन्य विभागीय सदस्य |
|---|---|
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय<br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल<br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | 1. प्रो. थानसिंह वर्मा<br>2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा<br>3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर Thakur |

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Diploma/Degree/Honors) | | Semester- III | |
| 1 | Course Code | SNSE-01 | |
| 2 | Course Title | व्याकरण, अनुवाद तथा व्याकरणशास्त्र का इतिहास | |
| 3 | Course Type | DSE | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।<br>विद्यार्थी में संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।<br>व्याकरण का प्रारंभिक अध्ययन करने से विद्यार्थियों का भाषा पर अधिकार स्थापित होता है।<br>विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण के श्रेष्ठ आचार्यों के विषय में जानेंगे। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours) | | |
| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| I | विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) | 15 |
| II | अपठित हिन्दी गद्य का संस्कृत भाषा में अनुवाद | 15 |
| III | संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास(पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि, भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित इनका व्यक्तित्व तथा कृतित्व) | 15 |
| IV | संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास (वामनजयादित्य, हरदत्तमिश्र, नागेशभट्ट, वरदराज इनका व्यक्तित्व तथा कृतित्व) | 15 |
| Keywords | विभक्ति,अनुवाद,पाणिनि, कात्यायन, पतञ्जलि, भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, वरदराज,वामनजयादित्य, हरदत्तमिश्र, नागेशभट्ट | |

Thakur

## PART – C : Learning Resources

| Text Books and Others |
|---|
| Text Books Recommended –<br>• लघुसिद्धांतकौमुदी, वरदराज, भैमीव्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली<br>•लघुसिद्धांतकौमुदी,गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन<br>•लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ उमेशचंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन<br>लघुसिद्धांतकौमुदी (संज्ञा संधि प्रकरण),डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ<br>•लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा<br>व्याकरणशास्त्र का इतिहास युधिष्ठिरमीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |

## PART – D: Assessment and Evaluation

**Part D: Assessment and Evaluation**

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

| | |
|---|---|
| **Maximum Marks:** | **100 Marks** |
| **Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):** | **20 Marks** |
| **Semester End Exam (SEE):** | **80 Marks** |

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment:** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Internal Test -02 of 10 Marks each +<br>01 Assignment/Seminar of 10 Marks | Better marks out of two tests+ Marks obtained in Assignment shall be considered against 20 marks |
| **Semester End Exam (SEE)** | Pattern -**FOUR Section** A, B, C, D<br>Each section will consist of questions from all 5 Units. Section C and D will have internal choices.<br>Section-A & B: Very short answer type question- 02x02 = 04 x4 unit = 16 Marks<br>Section-C: Short answer type question 06 x 4 unit = 24 Marks<br>Section-D: Long answer type question 10 x 4 unit = 40 Marks<br>Total = 80 Marks | |

Name and Signatures of Members of Board of Studies

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

<table>
<tr><td colspan="4">PART-A: Introduction</td></tr>
<tr><td colspan="2">Program: Bachelor in Arts (Diploma/Degree/Honors)</td><td>Semester- IV</td><td></td></tr>
<tr><td>1</td><td>Course Code</td><td colspan="2">SNSE-02</td></tr>
<tr><td>2</td><td>Course Title</td><td colspan="2">भारतीय संस्कृति</td></tr>
<tr><td>3</td><td>Course Type</td><td colspan="2">DSE</td></tr>
<tr><td>4</td><td>Pre-requisite (if any)</td><td colspan="2">As per program</td></tr>
<tr><td>5</td><td>Course Learning Outcomes (CLO)</td><td colspan="2">• भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों की वैज्ञानिकता का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों में आस्था का निर्माण होगा।<br>• भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्वों की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी सांस्कृतिकतत्त्वों के चिरकालीन महत्त्व को जान सकेंगे।<br>• सांस्कृतिक विशेषताओं को आत्मसात् कर विद्यार्थियों का शुद्ध चरित्र एवं उत्तम व्यक्तित्व का निर्माण होगा।<br>• ऋग्वैदिक एवं उत्तरवैदिक कालीन संस्कृति का विशिष्ट अध्ययन तत्कालीन सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिवेश को जानने में लाभकारी सिद्ध होगा।<br>• सांस्कृतिक शोध में विद्यार्थियों की रुचि विकसित होगी।</td></tr>
<tr><td>6</td><td>Credit Value</td><td>04 Credits</td><td>Credit = 15 Hours - learning& Observation</td></tr>
<tr><td>7</td><td>Total Marks</td><td>Max. Marks : 100</td><td>Min. Passing Marks : 40</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td colspan="3">PART – B Content of the Course</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours)</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td>Topic (Course Contents)</td><td>No. of Periods</td></tr>
<tr><td>I</td><td>संस्कृति की परिभाषा, अर्थ, कार्य, उद्देश्य. संस्कृति सभ्यता में अन्तर, भारतीय संस्कृति का वैशिष्ट्य</td><td>15</td></tr>
<tr><td>II</td><td>वर्णव्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, ऋण, महायज्ञ, पुरुषार्थचतुष्टय,षोडशसंस्कार</td><td>15</td></tr>
<tr><td>III</td><td>ऋग्वैदिक कालीन संस्कृति का वैशिष्ट्यएवं महत्त्व, सामाजिक व्यवस्था, राजनैतिक व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, कला एवं शिल्प, नारी की स्थिति</td><td>15</td></tr>
<tr><td>IV</td><td>उत्तर ऋग्वैदिक कालीन संस्कृति का वैशिष्ट्य एवं महत्त्व, सामाजिक व्यवस्था,</td><td>15</td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| | राजनैतिक व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, कला एवं शिल्प, नारी की स्थिति | |
| Keywords | संस्कृति, सभ्यता,वर्णव्यवस्था,आश्रमव्यवस्था, ऋण, महायज्ञ, पुरुषार्थचतुष्टय,षोडशसंस्कार | |

## PART – C : Learning Resources

**Text Books and Others**

Text Books Recommended –

1 भारतीय संस्कृति - डॉ. प्रीति प्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

2. भारतीय संस्कृति सौरभम् – प्रोफेसर रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

3. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका प्रोफेसर रामजी उपाध्याय, देवभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4 भारतीय संस्कृति का इतिहास - डॉ. ए. के. मित्तल एवं डॉ. आर. अग्रवाल, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

5. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी

6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

## PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

| | |
|---|---|
| Maximum Marks : | 100 Marks |
| Continuous Internal Assessment (CIA) : | 30 Marks |
| End Semester Exam (ESE) : | 70 Marks |

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) : 20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10<br>Total Marks - 30 | Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30 |

| | | |
|---|---|---|
| | | marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Degree/Honors) | | Semester- V | |
| 1 | Course Code | SNSE-03 | |
| 2 | Course Title | संस्कृत पद्य साहित्य | |
| 3 | Course Type | DSE PART A | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | • विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।<br>• विद्यार्थी संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।<br>• उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।<br>• पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनमें नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।<br>• विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

## PART – B Content of the Course

Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours)

| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
|---|---|---|
| I | महाकविकालिदासकृत-कुमारसम्भवम्-पञ्चम सर्ग श्लोक1-50<br>(मूल पाठ का हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन) | 15 |
| II | बिल्हणकृत-विक्रमाङ्कदेवचरितम् - प्रथमसर्गश्लोक 1-50<br>(मूल पाठ का हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन) | 15 |
| III | माघकृत-शिशुपालवधम्- प्रथमसर्गश्लोक 1-50<br>(मूल पाठ का हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन) | 15 |
| IV | संस्कृत पद्य साहित्य का इतिहास<br>(कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष,अश्वघोष) | 15 |
| Keywords | कुमारसम्भवम्, विक्रमाङ्कदेवचरितम्,शिशुपालवधम्,कालिदास,भारवि, बिल्हण , माघ, श्रीहर्ष, अश्वघोष | |

## PART – C : Learning Resources

**Text Books and Others**

Text Books Recommended –

संस्कृत महाकाव्य की परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्ग), डा. सत्यकेतु, परिमल प्रकाशन, नईदिल्ली.

शिशुपालवधमहाकाव्यम्, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी

बिल्हणकृत- विक्रमाङ्कदेवचरितम्, प. विश्वनाथ शास्त्री चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी

संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी

संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्या भवन वाराणसी

कालिदासमीमांसा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

## PART – D: Assessment and Evaluation

| Part D: Assessment and Evaluation | | |
|---|---|---|
| Suggested Continuous Evaluation Methods:<br>Maximum Marks: 100 Marks<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 20 Marks<br>Semester End Exam (SEE): 80 Marks | | |
| **Internal Assessment:** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Internal Test -02 of 10 Marks each + 01 Assignment/Seminar of 10 Marks | Better marks out of two tests+ Marks obtained in Assignment shall be considered against 20 marks |
| **Semester End Exam (SEE)** | Pattern -**FOUR Section** A, B, C, D<br>Each section will consist of questions from all 5 Units. Section C and D will have internal choices.<br>Section-A & B: Very short answer type question- 02x02 = 04 x4 unit = 16 Marks 16<br>Section-C: Short answer type question 06 x 4 unit = 24 Marks 24<br>Section-D: Long answer type question 10 x 4 unit = 40 Marks 40<br>Total = 80 Marks | |

Name and Signatures of Members of Board of Studies

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Degree/Honors) | | Semester-VI | |
| 1 | Course Code | SNSE-04 | |
| 2 | Course Title | पुराणेतिहास | |
| 3 | Course Type | DSE PART B | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | विद्यार्थी पौराणिक सिद्धांतों एवं मान्यताओं को जान सकेंगे।<br>विद्यार्थी पुराण एवं उपजीव्य काव्य की सुंदरता तथा प्रस्तुतिकरण की रीति को जान सकेंगे।<br>विद्यार्थी रामायण तथा महाभारत के ऐतिहासिक ज्ञान को जान सकेंगे।<br>विद्यार्थी रामायण और महाभारत के सामाजिक आर्थिक भौगोलिक राजनैतिक दार्शनिक और शैक्षिक मूल्यों को जान सकेंगे। | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

## PART – B Content of the Course

Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours)

| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
|---|---|---|
| I | पुराण- लक्षण, महत्त्व | 15 |
| II | पुराणकेभेद-प्रभेद | 15 |
| III | श्रीमद्रामायण सामान्य परिचय | 15 |
| IV | श्रीमन्महाभारत–सामान्य परिचय | 15 |
| Keywords | पुराण, इतिहास, रामायण, महाभारत, | |

Signature of Convener & Members(CBoS) :

## PART – C : Learning Resources

Text Books and Others

Text Books Recommended –

पुराण-विमर्श बलदेव उपाध्याय चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

पुराण साहित्यादर्श- प्रो. बृजेश कुमार शुक्ल नाग प्रकाशक, दिल्ली

श्रीमद्रामायणम् - गीताप्रेस, गोरखपुरम्

श्रीमन्महाभारतम् - गीताप्रेस, गोरखपुरम्

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

## PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks : 100 Marks

Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks

End Semester Exam (ESE) : 70 Marks

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal Assessment (CIA): | Internal Test /Quiz-(2) : 20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10 | Better marks out of the two Test / Quiz |

| | | |
|---|---|---|
| (By Course Teacher) | Total Marks - 30 | +obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

Signature of Convener & Members(CBoS) :

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research) | | Semester-VII | |
| 1 | Course Code | SNSE-05 | |
| 2 | Course Title | संस्कृत रूपक एवं नाट्यशास्त्र | |
| 3 | Course Type | DSE | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।<br>विद्यार्थी नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।<br>विद्यार्थी नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध क रसकेंगे।<br>विद्यार्थी संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।<br>विद्यार्थी को नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।<br>विद्यार्थी भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात्कर, भारतीयता के गर्वबोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours) | | |
| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| I | भवभूतिकृत- उत्तररामचरितम् (1-2 अङ्क)<br>(मूल पाठ की हिन्दी व्याख्या) | 15 |
| II | भवभूतिकृत- उत्तररामचरितम् (3-4 अङ्क)<br>(मूल पाठ की हिन्दी व्याख्या) | 15 |
| III | उत्तररामचरितम् का समीक्षात्मक अध्ययन | 15 |
| IV | नाट्यशास्त्र के रससिद्धान्त का सामान्य परिचय | 15 |
| Keywords | उत्तररामचरितम्, रससिद्धान्त, विभाव, अनुभाव, व्यभिचारिभाव, स्थायिभाव | |

| PART – C : Learning Resources |
|---|
| Text Books and Others |
| Text Books Recommended –<br><br>उत्तररामचरितम्-भवभूतिःहिन्दी संस्कृत टीकाकारःडॉ० रमाशंकर त्रिपाठी<br><br>उत्तररामचरितम्-भवभूति हिन्दी संस्कृत टीकाकार डॉ०कपिलदेव गिरि<br><br>संस्कृत नाटक उद्‌भव और विकास, डॉए.वी.कीथ, अनुवादक उदयभानु सिंह<br><br>नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्यसिद्धांत, जयकुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ<br><br>संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी<br><br>संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्या भवन वाराणसी<br><br>दशरूपक केशवराव मुसलगांवकर चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी |

| |
|---|
| संस्कृत नाट्य मीमांसा खण्ड-1, खण्ड-2 केशवराव मुसलगांवकर परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली<br><br>भवभूति, अनुवाद केशवराव मुसलगांवकर, राजपाल प्रकाशन,दिल्ली |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |

## PART – D: Assessment and Evaluation

| | | |
|---|---|---|
| Suggested Continuous Evaluation Methods :<br>Maximum Marks : 100 Marks<br>Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks<br>End Semester Exam (ESE) : 70 Marks | | |
| Continuous Internal Assessment (CIA):<br>(By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10<br>Total Marks - 30 | Better marks out of the two Test / Quiz<br>+obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research) | | Semester- VII | |
| 1 | Course Code | SNSE-06 | |
| 2 | Course Title | गीता एवं उपनिषद् | |
| 3 | Course Type | DSE | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | विद्यार्थी प्राचीन भारतीय औपनिषदिक ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे।<br>गीता के अध्ययन से आत्मज्ञान एवं आत्मप्रबंधन की कला से युक्त होंगे।<br>आत्मज्ञान के साथ साथ जीवनमूल्य,तार्किकता एवं लोककल्याण की भावना का विकास होगा।<br>व्यक्तित्व का विकास होगा। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours) | | |
| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| I | श्रीमद्भगवद्गीता एवं उपनिषद्सामान्य परिचय एवं महत्त्व | 15 |
| II | श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 2 श्लोक संख्या 11–38 तक | 15 |
| III | कठोपनिषद्प्रथमअध्याय प्रथमवल्ली मंत्र संख्या1-14 तक | 15 |
| IV | कठोपनिषद्प्रथमअध्याय प्रथमवल्ली मंत्र संख्या 15-समाप्ति पर्यंत | 15 |
| Keywords | श्रीमद्भगवद्गीता,उपनिषद्,कठोपनिषद्, सांख्य | |

| PART – C : Learning Resources |
|---|
| Text Books and Others |

| |
|---|
| Text Books Recommended –<br>श्रीमद्भगवद्गीता - शांकरभाष्य,हिन्दी अनुवाद सहित,गीताप्रेम,गोरखपुर।<br>श्रीमद्भगवद्गीता - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।<br>कठोपनिषद् - डॉ.सुरेन्द्र देव शास्त्री,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।<br>कठोपनिषद् - गीताप्रेस,गोरखपुर।<br>कठोपनिषद् - व्या, डॉ आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद, 1983<br>वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी<br>वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |
| **PART – D: Assessment and Evaluation** |
| Suggested Continuous Evaluation Methods :<br>Maximum Marks : 100 Marks<br>Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks<br>End Semester Exam (ESE) : 70 Marks |

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal Assessment (CIA):<br>(By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10<br>Total Marks - 30 | Better marks out of the two Test / Quiz<br>+obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research) | | Semester- VII | |
| 1 | Course Code | SNSE-07 | |
| 2 | Course Title | संस्कृत अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग | |
| 3 | Course Type | DSE | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | विद्यार्थी संगणक (Computer) का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।<br>E-content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे।<br>संस्कृत भाषा और साहित्य के नित-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व-ज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे।<br>संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार एवं आदान-प्रदान करने में कुशल बनेंगे।<br>पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours) | | |
| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| I | अनुवाद- हिंदी से संस्कृत में (कारक एवं विभक्ति) | 15 |
| II | अनुवाद- संस्कृत (अपठित) से हिंदी में | 15 |
| III | कंप्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कंप्यूटर की उपयोगिता, माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का सामान्य ज्ञान, विभिन्न सॉफ्टवेयर कंप्यूटर में संस्कृत-हिंदी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स- यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग आदि | 15 |
| IV | इंटरनेट का प्रयोग एवं वेबसर्च ईटेक्स्ट, ईबुक्स, ईरिसर्चजनरल, ईमैगजीन, डिजिटल | 15 |

Thakur

| | | |
|---|---|---|
| | लाइब्रेरी ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म ज़ूम, टीम, मीट, वेबैक्स ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म स्वयं, मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्नेट, शोधगंगा, गूगलस्कॉलरआदि | |
| Keywords | कारक, विभक्ति,ईटेक्स्ट, ईबुक्स, ईरिसर्चजनरल, ईमैग्जीन, स्वयं, मूक, ई-पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्नेट, शोधगंगा, गूगलस्कॉलर | |

## PART – C : Learning Resources

Text Books and Others

Text Books Recommended –

संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभाप्रकाशन, दिल्ली 2007

अनुवादचंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र, अनुवादचंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

अनुवादचंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999

संस्कृत रचना, वी०एस०आप्टे, (अनु०) उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008

रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011

कंप्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर

कंप्यूटर फंडामेंटल, पी. के. सिन्हा, बी.पी.बी. पब्लिकेशन, नई दिल्ली

इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपतराय पब्लिकेशन, नई दिल्ली

e- Resources/ e-books and e-learning portals

आङ्ग्लसंस्कृतसङ्गणकशब्दकोश:
https://acrobat.adobe.com/id/urn:aaid:sc:AP:1c811a67-4707-43eb-a3d1-39cdfd21131f

e- Resources/ e-books and e-learning portals

## PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks : 100 Marks

Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks

End Semester Exam (ESE) : 70 Marks

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal Assessment (CIA):<br>(By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10<br>Total Marks - 30 | Better marks out of the two Test / Quiz<br>+obtained marks in Assignment shall be considered against 30 |

| | | |
|---|---|---|
| | | marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

Name and Signature of Convener & Members of CBoS :

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research) | | Semester- VII | | |
| 1 | Course Code | SNSE-08 | | |
| 2 | Course Title | विभक्ति | | |
| 3 | Course Type | DSE | | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।<br>व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।<br>संस्कृत अनुवाद कौशल में वृद्धि।<br>शुद्धवाक्य रचना एवं अनुवाद क्षमता का अवबोध। | | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation | |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | | Min. Passing Marks : 40 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours) | | |
| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| I | प्रथमा विभक्ति, द्वितीया विभक्ति, ( वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी) | 15 |

Thakur

| | | |
|---|---|---|
| II | तृतीया विभक्ति, चतुर्थी विभक्ति( वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी) | 15 |
| III | पञ्चमी विभक्ति, षष्ठी विभक्ति (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी) | 15 |
| IV | सप्तमी विभक्ति (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी) | 15 |
| Keywords | कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण, सम्बोधन | |

Signature of Convener & Members(CBoS) :

## PART – C : Learning Resources

**Text Books and Others**

Text Books Recommended –

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी-गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी

अनुवादचंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र, अनुवादचंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

अनुवादचंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999

संस्कृतरचना, वी०एस०आप्टे, (अनु०) उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008

रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

## PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks : 100 Marks

Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks

End Semester Exam (ESE) : 70 Marks

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10<br>Total Marks - 30 | Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

Signature of Convener & Members(CBoS) :

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research) | | Semester- VIII | | |
| 1 | Course Code | SNSE-09 | | |
| 2 | Course Title | संस्कृतलेखनकौशल | | |
| 3 | Course Type | DSE | | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।<br>शब्दज्ञान कोष में वृद्धि होगी।<br>व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।<br>विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।<br>संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी।<br>अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा। | | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation | |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | | Min. Passing Marks : 40 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours) | | |
| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| I | संस्कृत निबंध | 15 |
| II | संस्कृत पत्र व्यवहार | 15 |
| III | समसामयिक विषयों पर संस्कृत में अनुच्छेद लेखन अथवा संस्कृत में विज्ञापन अथवा संस्कृत में समाचार लेखन | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| IV | संस्कृत में अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर | 15 |
| Keywords | निबंध, पत्रव्यवहार,अनुच्छेद,इत्यादि। | |

| PART – C : Learning Resources |
|---|
| Text Books and Others |
| Text Books Recommended –<br>संस्कृतसाहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012<br>संस्कृतसाहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997<br>हायर संस्कृत ग्रामर, मोरेश्वर राम चंद्रकाले, (हिंदीअनुवादक) कपिलदेव द्विवेदी, श्री रामनारायण लाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद 2001<br>संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007<br>अनुवादचंद्रिका, डॉ यदुनंदन मिश्र,<br>अनुवादचंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी<br>अनुवादचंद्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999<br>संस्कृत रचना, वी०एस०आप्टे, (अनु०) उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, 2008<br>रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011<br>संस्कृत निबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2010<br>संस्कृत निबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन<br>संस्कृत निबन्धसुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, 2005 |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |

| PART – D: Assessment and Evaluation | | |
|---|---|---|
| Suggested Continuous Evaluation Methods :<br>Maximum Marks : 100 Marks<br>Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks<br>End Semester Exam (ESE) : 70 Marks | | |
| Continuous Internal Assessment (CIA): | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10 | Better marks out of the two Test / Quiz |

Thakur

| | | |
|---|---|---|
| (By Course Teacher) | Total Marks - 30 | +obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research) | | Semester- VIII | |
| 1 | Course Code | SNSE-10 | |
| 2 | Course Title | वैदिकवाङ्मय | |
| 3 | Course Type | DSE | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।<br>वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा।<br>वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।<br>उपनिषद्का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।<br>औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्याग मूलक संस्कृति से परिचित होंगे।<br>वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा<br>वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

## PART – B Content of the Course

Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours)

| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
|---|---|---|
| I | वैदिकवाङ्मय का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग) | 15 |
| II | विष्णुसूक्त (1.154), हिरण्यगर्भसूक्त (10.121), वाक्सूक्त (10.125) इन्द्रः – 2-12, | 15 |
| III | पृथ्वीसूक्त (12.1) (1 से 12 मन्त्र), सम्वादसूक्तम् – सरमापणिः , विश्वामित्र-नदी | 15 |
| IV | ईशावास्योपनिषद् ,व्याख्या एवं समीक्षा | 15 |
| Keywords | वाङ्मय,ऋग्वेद, संहिता,यजुर्वेद,ईशावास्योपनिषद् इत्यादि । | |

## PART – C : Learning Resources

| PART – C : Learning Resources |
|---|
| Text Books and Others |
| Text Books Recommended –<br>ईशावास्योपनिषद्, डॉ शिवप्रसाद द्विवेदी चौखंबा, वाराणसी<br>ईशावास्योपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, 1994<br>ऋग्वेद संहिता रामगोविंद त्रिवेदी चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी<br>ऋक्सूक्तसंग्रह, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ<br>सूक्तसंकलन, प्रोफेसर विश्वंभरनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन<br>सूक्तसंकलन, डॉ उमेशचंद्र पांडे, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर<br>वेदामृतमंजूषिका, डॉ प्रयागनारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ<br>वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा प्रकाशन<br>वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ करण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ,<br>वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी<br>वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |

Thakur

| PART – D: Assessment and Evaluation | | |
|---|---|---|
| Suggested Continuous Evaluation Methods :<br>Maximum Marks : 100 Marks<br>Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks<br>End Semester Exam (ESE) : 70 Marks | | |
| Continuous Internal Assessment (CIA):<br>(By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10<br>Total Marks - 30 | Better marks out of the two Test / Quiz<br>+obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research) | | Semester- VIII | |
| 1 | Course Code | SNSE-11 | |
| 2 | Course Title | भारतीयदर्शन | |
| 3 | Course Type | DSE | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गुढ़ार्थ बोध होगा।<br>दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।<br>दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।<br>भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।<br>गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टिकल्याणार्थ भाव विकसित होंगे। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours) | | |
| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| I | भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय।<br>दर्शन का अर्थ एवं महत्व<br>नास्तिक दर्शन- चार्वाक, जैन और बौद्ध।<br>आस्तिक दर्शन- न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा एवं वेदांत(परिचयात्मकप्रश्न) | 15 |
| II | श्रीमद्भगवतगीता- बारहवा एवं पन्द्रहवा अध्याय व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न | 15 |
| III | तर्कसंग्रह (आरंभ से प्रत्यक्षखंड पर्यन्त) | 15 |
| IV | तर्कसंग्रह<br>(अनुमान से समाप्ति पर्यन्त) | 15 |
| Keywords | दर्शन,श्रीमद्भगवतगीता,तर्कसंग्रह, भक्तियोग, पुरुषोत्तमयोग, प्रमेय, प्रमा, इत्यादि। | |

## PART – C : Learning Resources

**Text Books and Others**

Text Books Recommended –

श्रीमद्भगवद्गीता, (सम्पा०) गजानन शंभूसाधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 1985

श्रीमद्भगवद्गीता, हरिकृष्ण दास गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2009

तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा

तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर, 1958

भारतीय दर्शन, जगदीशचंद्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010

भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004

भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच) भागोंमें), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 1969-1989

भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 1989

भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजूगुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1965

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

## PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

| | |
|---|---|
| Maximum Marks : | 100 Marks |
| Continuous Internal Assessment (CIA) : | 30 Marks |
| End Semester Exam (ESE) : | 70 Marks |

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10<br>Total Marks - 30 | Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × | |

| | |
|---|---|
| | 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks |

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research) | | Semester- VIII | |
| 1 | Course Code | SNSE-12 | |
| 2 | Course Title | व्याकरण एवं भाषाविज्ञान | |
| 3 | Course Type | DSE | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।<br>संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।<br>भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व से सुपरिचित होंगे।<br>ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रतिविश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।<br>पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।<br>संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा। | |
| 6 | Credit Value | 04 Credits | Credit = 15 Hours - learning& Observation |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 100 | Min. Passing Marks : 40 |

| PART – B Content of the Course |
|---|
| Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours) |

| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
|---|---|---|
| I | पाणिनीयशिक्षा (1-30 पर्यन्त) | 15 |
| II | पाणिनीयशिक्षा (31- समाप्तिपर्यन्त) | 15 |
| III | भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषाविज्ञान के मुख्य अंग एवं उपादेयता भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएं, भावाभिव्यक्ति के साधन एवं भाषा के अनेक रूप (बोली भाषा विभाषा) | 15 |
| IV | भाषा का उद्भव एवं विकास , भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण | 15 |
| Keywords | प्रत्यय,भाषाविज्ञान, बाह्यप्रयत्न, आभ्यन्तरप्रयत्न, उच्चारणस्थान, स्वनिम, अव्यक्तवाक्, व्यक्तवाक् इत्यादि । | |

## PART – C : Learning Resources

**Text Books, and Others**

Text Books Recommended –

पाणिनीय शिक्षा, बच्चूलाल अवस्थी, कालिदास अकादमी, उज्जैन (म.प्र.)

भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र , कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010

भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

e- Resources/ e-books and e-learning portals

Paniniya Shiksha / पाणिनीय शिक्षा :Net Syllabus : Free Download, Borrow, and Streaming : Internet Archive

e- Resources/ e-books and e-learning portals

## PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

| | |
|---|---|
| Maximum Marks : | 100 Marks |
| Continuous Internal Assessment (CIA) : | 30 Marks |
| End Semester Exam (ESE) : | 70 Marks |

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal Assessment (CIA): | Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20<br>Assignment / Seminar - 10 | Better marks out of the two Test / Quiz |

| | | |
|---|---|---|
| (By Course Teacher) | Total Marks - 30 | +obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks |
| End Semester Exam (ESE) : | Two section – A & B<br>Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks<br>Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks | |

नाम एवं हस्ताक्षर

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान | अन्य विभागीय सदस्य |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय | 1. प्रो. थानसिंह वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल | 2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | 3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर |

## सत्र : 2023–24

## बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर (संस्कृत)

## कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल एन्हासमेंट कोर्स)

## गीता में आत्म प्रबंधन

क्रेडिट – 2
पूर्णांक – 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

- इस पाठयक्रम के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय। अध्यात्म की जानकारी प्रदान करना।
- गीता में दर्शाए जीवन दर्शन से विद्यार्थी को परिचय कराना।
- गीता के ज्ञान से विद्यार्थियों को आत्म प्रबंधन के प्रति जागरूक करना।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई 1

अध्यायः श्रीमद्भगवत्गीता : गीता परिचय एवं महत्व

इकाई 2

अध्यायः श्रीमद्भगवत्गीता : द्वितीय अध्याय, (सांख्य योग) श्लोक संख्या एक से तीस तक ससंदर्भ व्याख्या

इकाई 3

अध्यायः श्रीमद्भगवत्गीता : द्वितीय अध्याय, (सांख्य योग) श्लोक संख्या तीस से छिहत्तर तक ससंदर्भ व्याख्या

इकाई 4

अध्यायः समीक्षा : गीतासार / समीक्षा / निबंध

इकाई 5

अध्यायः प्रायोगिक : प्रोजेक्ट / असाइनमेंट – गीता में आत्म प्रबंधन पर

Thakur

## पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी

- भारतीय जीवन दर्शन को आत्म सात कर उन्नति कर सकेंगे।
- गीता में दर्शाए भौतिक और आध्यात्मिक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी अपने जीवन में आत्म प्रबंधन का प्रयोग कर सकेंगे।
- विद्यार्थी जीवन का महत्त्व समझ इसे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

### नाम एवं हस्ताक्षर

| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान | अन्य विभागीय सदस्य |
|---|---|
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय | 1. प्रो. थानसिंह वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल | 2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | 3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर |

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| PART-A: Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree) | | Semester- II/IV/V/VI | Session 2024-2025 |
| 1 | Course Code | SNSEC-01 | |
| 2 | Course Title | भारतीयरंगमञ्च | |
| 3 | Course Type | SEC | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | As per program | |
| 5 | Course Learning Outcomes (CLO) | >प्राचीनभारतीय रंगमञ्च का ज्ञान प्राप्त होगा<br>>नाट्यविधा में दक्ष एवं निपुण होंगे।<br>>नाट्यकौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।<br>>अभिनयकला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित कर सकेंगे।<br>>प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज, लोकव्यवहार, भाषा आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। | |
| 6 | Credit Value | 02 Credits (1C + 1C) | Credit=15 Hours-Theoretical learning and =30 Hours Laboratory or Field learning / Training |
| 7 | Total Marks | Max. Marks : 50 | Min. Passing Marks : 20 |

| PART – B Content of the Course | | |
|---|---|---|
| Total No. of Teaching-learning Periods:<br>Theory – 15 Periods ( 15 Hrs) and Lab. Or Field learning/Training 30 Periods ( 30 Hours) | | |
| Module | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
| Theory Contents | नाट्योत्पति, नाट्यलक्षण, नाट्यप्रयोजन तथा महत्त्व, संस्कृतनाट्य की प्रमुख विशेषताएँ<br>नाट्य के पारिभाषिक शब्द-नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, नेपथ्य, विदूषक, जनान्तिकम्, प्रकाशम्, अपवारितम्, स्वगत, भरतवाक्य | |
| Lab./Field Training Contents | अभिनय-आङ्गिक,वाचिक, सात्विक, आहार्य<br>नाट्य के भेदक तत्वों का सामान्य परिचय-वस्तु, नेता, रस<br>रूपक के प्रकार- नाटक, प्रकरण, प्रहसन, नाटिका ( दशरूपक ) | |
| Keywords | नाट्योत्पति, नाट्यलक्षण, नाट्यप्रयोजन,अभिनय,नाट्य, वस्तु, नेता, रस, नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, नेपथ्य, विदूषक, जनान्तिकम्, प्रकाशम्, अपवारितम्, स्वगत, भरतवाक्य इत्यादि | |

Signature of Convener &Members(CBoS) :

Thakur

## PART – C : Learning Resources

नाट्यशास्त्र -भरतमुनि, पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

2. संक्षिप्त नाट्यशास्त्र (हिन्दी भाषा अनुवादसहित), राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, वाराणसी

3. नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी

4. दशरूपक, भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी

5. नाटक और रंगमञ्च, सीताराम झा, बिहार संस्कृत प्रकाशन, पटना

6. संस्कृत नाट्यकला, रामलखन शुक्ल, परिमल पब्लिकेशन, नईदिल्ली

7. भरतनाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप, डॉ. रायगोविन्दचन्द्र, काशी मुद्रणालय, विश्वेश्वरगंज, वाराणसी

8. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालयप्रकाशन वाराणसी

9. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास खण्ड 1-4, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

## PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks : 50 Marks

Continuous Internal Assessment (CIA) : 15 Marks

End Semester Exam (ESE) : 35 Marks

| | | |
|---|---|---|
| Continuous Internal | Internal Test /Quiz-(2) :10 &10 | Better marks out of the two Test / Quiz |

| | | |
|---|---|---|
| Assessment (CIA):<br><br>(By Course Coordinator) | Assignment / Seminar<br>+Attendance-05<br><br>Total Marks - 15 | +obtained marks in Assignment shall be considered against 15 marks |

| | | |
|---|---|---|
| End Semester Exam (ESE) : | Laboratory / Field Skill Performance: On spot Assessment<br><br>A. Performed the Task based on learned skill - 20 Marks<br>B. Spotting based on tools (written) - 10 Marks<br>C. Viva-voce (based on principle/technology) – 05 Marks | Managed by Coordinator as per skilling |

Signature of Convener &Members(CBoS) :

नाम एवं हस्ताक्षर

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | अन्य विभागीय सदस्य<br><br>1. प्रो. थानसिंह वर्मा<br>2. छात्र प्रतिनिधि –<br>मनीष कुमार वर्मा<br>3.उद्योग जगत से –<br>सुश्री उपमा ठाकुर. Thakur |

**FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)**

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

| **PART-A: Introduction** | | | |
|---|---|---|---|
| **Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree/Honors)** | | **Semester- I/III/V** | Session **2024-2025** |
| 1 | **Course Code** | SNVAC-01 | |
| 2 | **Course Title** | संभाषणकौशल | |
| 3 | **Course Type** | VAC | |
| 4 | **Pre-requisite (if any)** | As per program | |
| 5 | **Course Learning Outcomes (CLO)** | • संस्कृत संभाषण में दक्ष एवं निपुण होंगे, जिससे विद्यार्थियों की भाषा के अध्ययन और ज्ञान में अनायास वृद्धि होगी।<br>• संस्कृत संभाषण से भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न होगा।<br>• भाषा कौशल का विकास वियर्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।<br>• प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कार आदि में विद्यार्थियों के कौशल की वृद्धि होगी।<br>• संस्कृत उच्चारण से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा । | |
| 6 | **Credit Value** | **02 Credits** | **Credit = 15 Hours - learning& Observation** |
| 7 | **Total Marks** | **Max. Marks : 50** | **Min. Passing Marks : 20** |

## PART – B Content of the Course

| Unit | Topic (Course Contents) | No. of Periods |
|---|---|---|
| I | परिचय<br>• मम नाम,भवतः नाम किम् इत्यादि।<br>सर्वनाम एवं अव्यय प्रयोग<br>• सः।सा।तत्।एषः।एषा।एतत्।अहम्।भवान्।भवती।आम्।न।वा।किम्।अस्ति।नास्ति।अत्रि।तत्र।कुत्र।सर्वत्र।अन्यत्र।एकत्र।<br>• षष्ठी विभक्ति का प्रयोग<br>• तस्य।एतस्य।कस्य<br>• तस्याः।एतस्याः।कस्याः।मम।भवतः।भवत्याः।<br>• आवश्यम्।मास्तु।पर्यासम्।धन्यवादः।स्वागतम्। | |

| | | |
|---|---|---|
| | क्रियापदप्रयोग<br>• गच्छति।आगच्छति।पठति।लिखति।खादति।पिबति।क्रीडति।वदति।उत्तिष्ठति।उपविशति।गच्छामि।आच्छामि।गच्छतु।आगच्छतु।<br>संख्याअभ्यास<br>• 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10<br>• 10,20,30,40,50,60,70,80,90,100<br>समयअभ्यास<br>5:00, 5:15, 5:30, 4:45 (सपाद, पादोन, सार्द्ध, वादनम्) | |
| II | क्रियापद वहुवचन प्रयोग –<br>• गच्छन्ति गच्छामः। गच्छन्तु। पिबन्ति। पिबामः। पिबन्तु। लिखन्ति। लिखामः। लिखन्तु। ...इत्यादि परिवर्तनाभ्यासः।<br>द्वितीया विभक्ति अभ्यास<br>• ग्रंथः, घटी, छात्रा।ग्रंथं ददातु, घटीं ददातु इत्यादिवत्।<br>• पुरतः।पृष्ठतः।वामतः।दक्षिणतःउपरि।अधः।इतः।ततः।..... तः।गृहतः।कुतः।<br>• कथम्? सम्यक्।शीघ्रंमंदम्।उच्चैःशनैः।पठनार्थम्, किमर्थम्।<br>सप्तककार<br>• किम्।कुत्र।कति।कदा।कुतः।कथं।किमर्थम्।एकैकम् उपयुज्य परस्परं प्रश्नाः।अपि।अस्तु।अहं न जानामि। .... कानिचन वाक्यानि। | |
| III | भूतकालीन क्रियापद पाठन –<br>• गतवान् - पठितवान्लिखितवान्गतवती- पठितवती लिखितवती।<br>विशिष्ट क्रिया पद अभ्यास–<br>• करोमि कुर्मः।करोति कुर्वन्ति।ददामि दद्मः। ददाति ददति।शृणोमि शृण्मः।श्रृणोति श्रृण्वन्ति।जानामि जानीमः।जानाति जानन्ति।<br>संबोधन<br>• भो।श्रीमन्।मान्ये।मानिन्।मित्र।महोदय,राम,सीते! इत्यादि।<br>संख्या<br>• 21 से 50 तकसमय 1:00, 2:00, 3:00, 4:00<br>एतेषां वाक्यानाम् उपयोगेन वाक्यानि वाचनीयानि अतःइति।अस्मि,यदि तर्हि,यथा,तथा।पर्यन्तम्।<br>क्तवतु प्रत्यय-<br>• गतवन्तःपठितवन्तःलिखितवन्तः।गतवत्यःपठित्वत्यः- लिखितवत्यः।<br>लिंग परिवर्तन अभ्यास<br>• सःगतवान्सागतवती।अहंगतवान् अहंगतवती।<br>कालपरिवर्तन अभ्यास | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | • गच्छति गतवान्गतवती।<br>विशेषपाठन<br>• आसीत्।आसन्।आसम्।<br>तृतीया विभक्ति<br>• दंडेन।मापिकया।लेखन्या।पुष्येण।सह।विना।अ यतन।ह्यस्तन।श्वस्तन।पूर्वतन।इदानींतन।<br>भविष्यत्कालीन पद पाठन | | |
| IV | निम्नलिखितानां शब्दानां प्रयोगः<br>नूतनम्,पुरातनम्,बहु,किंचित्।दीर्घः,स्वः,उन्नतः,वामनः,स्थूलः,कृशः।<br>तुमुन्प्रत्यय<br>पठितुं।लिखितुम्।<br>किंतु।निश्चयेन।बहुशः।प्रायशः।किल,खलु।<br>शक्नोति क्रिया का प्रयोग<br>विशेषण विशेष्य भाव का अभ्यास<br>सःउत्तमःबालकः।सा उत्तमा बालिका।तत् उत्तमं पुस्तकम्<br>वाक्य विस्तार अभ्यास<br>सःमम पुस्तकं प्रातःकाले पञ्चवादने पठितवान्।इतःपूर्वम् - इतःपरम्।क्त्वा, तुमुन्परिवर्तनाभ्यासःबहिःअंतः।रिक्तम् - पूर्णम्।इतोऽपि।चेत् - नोचेत्।<br>संख्या-71 से 100 तक<br><br>अतःयतःपरिवर्तनाभ्यासः।यद्यपि तथापि।यत्र-तत्र।कति-कियत्।एतयोः भेद ज्ञापनम्।यावत् - तावत्।यत्-तत्।यः - सः।या - सा।अस्माकम्।चित्...... द्वयम् (पुस्तकद्वयं, बालकद्वयम्)<br>लिंगभेदःएकः,एका - एकम्।<br>द्वौ–द्वे,द्वे।<br>त्रयःतिस्रःत्रीणि।<br>चत्वारःचतस्रःचत्वारि।<br>अर्थम् - समाजार्थम्, संस्कृतार्थम्<br>तव्यत् – अनीयर्प्रत्यय का प्रयोग<br>कुत्र गंतव्यम्।अद्य किं किं करणीयम् ? | | |
| Keywords | परिचय, क्रियापद, अव्यय, संख्या, समय इत्यादि । | | |

Signature of Convener &Members(CBoS) :

| PART – C : Learning Resources |
|---|
| Text Books and Others |
| 1. अभ्यासदर्शिनी-श्रीजनार्दनहेगडे, संस्कृतभारती, बंगलुरु |
| e- Resources/ e-books and e-learning portals |

| **PART – D: Assessment and Evaluation** | | |
|---|---|---|
| Suggested Continuous Evaluation Methods :<br>Maximum Marks : 50 Marks<br>Continuous Internal Assessment (CIA) : 15 Marks<br>End Semester Exam (ESE) : 35 Marks | | |
| Continuous Internal Assessment (CIA):<br>(By Course Teacher) | Internal Test /Quiz-(2) :**10 & 10**<br>Assignment / Seminar<br>+Attendance-**05**<br>Total Marks - **15** | Better marks out of the two Test / Quiz<br>+obtained marks in Assignment shall be considered against **15** marks |
| **End Semester Exam (ESE) :** | **Two section – A & B**<br>Section A :**Q1** Objective-**05×1 = 05** Marks **Q2** Short answer type-**5×2 =10Marks**<br>Section B : Descriptive answer type qts. **1out of 2** from each unit-**4×05=20 Marks** | |

Signature of Convener &Members(CBoS) :

नाम एवं हस्ताक्षर

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | अन्य विभागीय सदस्य<br><br>1. प्रो. थानसिंह वर्मा<br>2. छात्र प्रतिनिधि –<br>मनीष कुमार वर्मा<br>3.उद्योग जगत से –<br>सुश्री उपमा ठाकुर |

# बी.ए. – तृतीय वर्ष (संस्कृत)
## सत्र : 2024–25
## प्रथम प्रश्न पत्र
## विषय : नाटक, छन्द तथा व्याकरण

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

| पाठ्यक्रम उद्देश्य |
|---|
| • विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा। <br> • संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी। <br> • संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा। <br> • संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी। <br> • भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी। |

पाठ्यक्रम विवरण पूर्णांक – 75

**इकाई 1**

अध्यायः नाटक : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदासकृत)

**इकाई 2**

अध्यायः समीक्षा : अभिज्ञानशाकुन्तलम्

**इकाई 3**

अध्यायः छन्द : निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण

अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपवेनद्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततलिका, शार्दूलविक्रीडित, स्त्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता।

**इकाई 4**

अध्यायः व्याकरण : लघुसिद्धांत कौमुदी –

: कृदन्त प्रकरण – तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, क्यप्, शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, ण्वुल, तृच्, ल्युट्, अण्

**इकाई 5**

अध्यायः व्याकरण : लघुसिद्धांत कौमुदी –

1. तद्धित् प्रत्यय – अण्, ढक्, ष्यञ्, त्व, तढक, इमनिच्, अयम्, मतुप, इनि, इतच्, ईयसुन, तमप्, तरप्, ण्य, ययम्
2. स्त्री प्रत्यय – टाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्।

अनुशंसित ग्रन्थ :

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अभिज्ञानशाकुन्तलम् | : महाकवि कालिदासरचित, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी |
| 2. | शीघ्रबोधव्याकरणम् | : डॉ. पुष्पा दीक्षित, पणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर |
| 3. | लघुसिद्धांत कौमुदी | : श्री घरानन्द शास्त्री |
| 4. | संस्कृत हिन्दी कोष | : वमन शिवराम आपटे |
| 5. | छन्दोमंजरी | : चौखंबा प्रकाशन वाराणसी |

स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ, ब, स में विभाजित होगा।
- खण्ड अ में अति लघुउत्तरीय प्रश्न एक या दो वाक्यों में उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे, रिक्त स्थानों की पूर्ति करों जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।
- खण्ड ब में लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।
- खण्ड स में दीर्घउत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।
- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।

| प्रश्न के प्रकार | पूर्णांक 75 अंक x प्रश्नों की संख्या |
|---|---|
| क. अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 1X10=10 |
| ख. लघुउत्तरीय प्रश्न | 5X5=25 |
| ग. दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 8X5=40 |
| | कुल 75 |

## अधिगम परिणाम

विश्वप्रसिद्ध नाटक की काव्यगत विशेषताओं की जानकारी मिलेगी।

अभिनय कला के कलात्मक तथा भावात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।

व्याकरण के प्रत्यय – अनुशीलन से पद–व्युत्पति का बोध विस्तार होगा।

भाषिक क्षमता की वृद्धि होगी।

छत्तीसगढ़ के तीर्थ – स्थलों के अनुशीलन से प्रदेश के भौगोलिक – धार्मिक वैशिष्ठय का ज्ञान प्राप्त होगा।

## नाम एवं हस्ताक्षर

| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | अन्य विभागीय सदस्य<br><br>1. प्रो. थानसिंह वर्मा<br>2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा<br>3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर |
|---|---|

# बी.ए. – तृतीय वर्ष (संस्कृत)
## सत्र : 2024–25
## द्वितीय प्रश्न पत्र
## विषय : काव्य, अलंकार एवं निबंध

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये केन्द्रीय अध्ययन मंडल अथवा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विषयवस्तु अथवा अंक विभाजन में किसी तरह के परिवर्तन संबंधी निर्देश जारी किये जाने पर तदनुसार पाठ्यक्रम लागू किया जायेगा।

**पाठ्यक्रम उद्देश्य**

- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।
- संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।
- संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।
- संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।
- भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।

पाठ्यक्रम विवरण — पूर्णांक – 75

**इकाई 1**

अध्यायः काव्य : किरातार्जुनीयम् महाकाव्य (भारविकृत) प्रथम सर्ग

**इकाई 2**

अध्यायः समीक्षा : किरातार्जुनीयम्

**इकाई 3**

अध्यायः मूलरामायणम् : वाल्मीकिकृत

**इकाई 4**

अध्यायः अलंकार : उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थन्तरन्यास, स्वाभावोक्ति, काव्यलिंग) अतिश्योक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, दृष्टांत, प्रतिस्तूपमा, निदर्शना, यमक, शब्दश्लेष, अनुप्रास, अनन्वय, ससन्देह, भ्रांतिमान्।
टिप्पणी : अलंकारों के लक्षण – चन्द्रलोक, साहित्य दर्पण अथवा काव्य प्रकाश नामक ग्रन्थ से अध्येतव्य है। उदाहरण – पाठ्यक्रमों में दिए गए पुस्तकों से भी दिये जा सकते हैं।

**इकाई 5**

अध्यायः निबन्ध : (संस्कृत भाषा में) 15 वाक्यों में।
टिप्पणी : निबन्ध, समीक्षात्मक अथवा विश्लेषणात्मक न होकर वर्णनात्मक पूछे जायेंगे।

**अनुशंसित ग्रन्थ :**

1. किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग : भारविकृत

2. संस्कृत निबन्ध शतकम् : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

3. निबन्ध परिजात : डॉ. रजनीकान्त लहरी, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

4. रचनानुवाद कौमुदी : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

5. प्रबन्ध रत्नाकर : डॉ. रमेशचन्द्र शुक्ल, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

6. मूलरामायणम् – वाल्मीकिकृत चौखंबा प्रकाशन वाराणसी

## स्नातक कक्षाओं के लिये प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- स्नातक कक्षाओं के लिये प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ, ब, स में विभाजित होगा।
- खण्ड अ में अति लघुउत्तरीय प्रश्न एक या दो वाक्यों में उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे, रिक्त स्थानों की पूर्ति करों जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।
- खण्ड ब में लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।
- खण्ड स में दीर्घउत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।
- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।

| प्रश्न के प्रकार | पूर्णांक 75 अंक X प्रश्नों की संख्या |
|---|---|
| क. अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 1X10=10 |
| ख. लघुउत्तरीय प्रश्न | 5X5=25 |
| ग. दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 8X5=40 |
| | कुल 75 |

## अधिगम परिणाम

आदिकाव्य रामायण महाकाव्य के अनुशीलन से भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रसार तथा चारित्रिक आदर्श की प्रेरणा प्राप्त होगी।

महाभारत – आधारित ग्रन्थानुशीलन से कथा – परिचय सह राजनीतिक सूझ का विकास होगा।

छन्दों के ज्ञान से मौलिक काव्य – निर्माण की योग्यता विकसित होगी।

अलंकार – ज्ञान से मौलिक कल्पना तथा चिन्तन को विस्तार मिलेगी।

संस्कृत भाषा में निबन्ध, समाचार आदि लेखन – क्षमता से व्यावसायिक अवसर उपलब्ध होगा।

## नाम एवं हस्ताक्षर

| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान | अन्य विभागीय सदस्य |
|---|---|
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | 1. प्रो. थानसिंह वर्मा<br>2. छात्र प्रतिनिधि –<br>मनीष कुमार वर्मा<br>3.उद्योग जगत से –<br>सुश्री उपमा ठाकुर |

# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

## संस्कृत विभाग

## पूजा पद्धति एवं संस्कार प्रशिक्षण प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

# सत्र – 2024–25

# प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

# संस्कृत विभाग

# संस्कृत अध्ययन मंडल

## सत्र – 2024–25

# पूजा पद्धति एवं संस्कार प्रशिक्षण

सैद्धांतिक I :

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रश्न पत्र I | विषय – | दैनिक क्रिया, यज्ञविधि | पूर्णांक – 100 |
| प्रश्न पत्र II | विषय – | कर्मकाण्ड एवं पूजा पद्धति | पूर्णांक – 100 |

प्रायोगिक II :

| | | | |
|---|---|---|---|
| पेपर I | विषय – | हवन एवं सभी पूजनविधि | पूर्णांक – 50 |

## नाम एवं हस्ताक्षर

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान | अन्य विभागीय सदस्य |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय | 1. प्रो. थानसिंह वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल | 2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | 3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर |

# सत्र – 2024–25

# पूजा पद्धति एवं संस्कार प्रशिक्षण

## पाठ्यक्रम उद्देश्य –

- इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं धर्म की जानकारी प्रदान करना।
- हिन्दू धर्म की परम्परा एवं कर्मकाण्डो का ज्ञान प्रदान करना।
- भारतीय पर्व एवं संस्कारों की जानकारी प्रदान करना।

## परिचय –

यह पाठ्यक्रम भारतीय धर्म और संस्कृति में पूजा पद्धति के सम्यक ज्ञान के लिए तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी भारतीय संस्कृति और परंपराओं को अच्छी तरह से जानकर उनका पालन कर पाएंगे। विभिन्न भारतीय परंपराओं और संस्कारों के अवसर पर विद्यार्थी पौरोहित्य कार्य कर सकेंगे।

यह पाठ्यक्रम दैनिक जीवन में प्रयुक्त होन वाले मंत्र, प्रक्रिया और विशेष अवसर पर प्रयुक्त होने वाले वैदिक आयोजनों के विषय में जानकारी प्रदान करेगा।

## पाठ्यक्रम विवरण –

- यह पाठ्यक्रम कोई भी 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र विषय के रूप में पढ़ सकता है।
- पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन योजना निम्नानुसार होगी।
- अध्ययन मण्डल के सदस्यों द्वारा सत्र 2023–24 के प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम अनुमोदन हेतु।
- यह पाठ्यक्रम छः माह का होगा जिसमें विद्यार्थी विद्यार्थी को पाठ्यक्रम के पश्चात् परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।
    - पाठ्यक्रम अवधि – न्यूनतम अवधि छः माह<br>अधिकतम अवधि एक वर्ष
    - माध्यम – संस्कृत / हिन्दी
    - अधिकतम आयु सीमा –

## प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन –

- प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ, ब, स में विभाजित होगा।

Thakur

- खण्ड अ में अति लघुउत्तरीय प्रश्न एक या दो वाक्यों में उत्तर या वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, बहुविकल्पीय प्रश्न नहीं होंगे, रिक्त स्थानों की पूर्ति करों जैसे प्रश्न भी नहीं होंगे।
- खण्ड ब में लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे जिनका उत्तर 150 शब्दों में देना होगा।
- खण्ड स में दीर्घउत्तरीय/निबंधात्मक प्रश्न होंगे। विद्यार्थियों को अधिकतम 350 शब्दों में सटीक उत्तर लिखना होगा।
- प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन निम्नानुसार होगा।

| प्रश्न के प्रकार | पूर्णांक 100 अंक x प्रश्नों की संख्या |
|---|---|
| क. अति लघुउत्तरीय प्रश्न | 2X10=20 |
| ख. लघुउत्तरीय प्रश्न | 8X5=40 |
| ग. दीर्घउत्तरीय प्रश्न | 10X4=40 |
| | कुल 100 |

Thakur

सत्र – 2024–25
प्रथम प्रश्न पत्र
दैनिक क्रिया, यज्ञविधि

इकाई 1

1. नित्यकर्म विधि व मंत्र – प्रातः जागरण कालीन मंत्र, स्नान मंत्र, भोजन मंत्र

इकाई 2

2. सन्ध्या – संध्योपासन (ब्रह्मयज्ञ)

इकाई 3

3. स्वस्ति वाचन – स्वस्ति वाचन के प्रमुख मंत्र

इकाई 4

4. हवन विधि–अग्निहोत्रम् (देवयज्ञ)
   1. ईश्वर स्तुति, देवावाहन अग्निस्थापन, समिधाधान
   2. पूजनोपचार ज्ञान
   3. पञ्चांग देवपूजन पद्धति

इकाई 5

5. षोडश संस्कार सामान्य ज्ञान –

(1) गर्भाधान संस्कार, (2) पुंसवन संस्कार, (3) सीमन्तोन्नयन संस्कार, (4) जातकर्म संस्कार, (5) नामकरण संस्कार, (6) निष्क्रमण संस्कार, (7) अन्नप्राशन संस्कार, (8) मुंडन संस्कार, (9) कर्णवेधन संस्कार, (10) विद्यारंभ संस्कार, (11) उपनयन संस्कार, (12) वेदारंभ संस्कार, (13) केशांत संस्कार, (14) सम्वर्तन संस्कार, (15) विवाह संस्कार और (16) अन्त्येष्टि संस्कार।
भारतीय संस्कृति में सभी सोलह संस्कार का सामान्य ज्ञान

## संदर्भ ग्रन्थ –

निर्धारितपाठ्यपुस्तकें, ब्रह्मवर्चस विधि, संस्कार विधि, कर्मकांड भास्कर, स्तोत्र मंजूषा, कुशकंडिका, कर्मकांड प्रबोध, नित्यकर्म पूजा प्रकाश।

## पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी
- भारतीय संस्कृति एवम धर्म के विषय में जान पाएंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय संस्कारों के विषय में जान सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वे सनातन धर्म के कर्मकांड कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी वैदिक मंत्रों का उच्चारण सही तरीके से कर पाएंगे।

Thakur

- इस पाठ्यक्रम से छात्रों को भारतीय पर्व एवं त्यौहारों के महत्त्व के विषय में जान पाएंगे।

## नाम एवं हस्ताक्षर

| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान | अन्य विभागीय सदस्य |
|---|---|
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय | 1. प्रो. थानसिंह वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल | 2. छात्र प्रतिनिधि – मनीष कुमार वर्मा |
| विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | 3.उद्योग जगत से – सुश्री उपमा ठाकुर Thakur |

सत्र – 2024–25

द्वितीय प्रश्न पत्र

कर्मकाण्ड एवं पूजा पद्धति

इकाई 1

1. विवाह एवं उपनयन संस्कार विधि

इकाई 2

2. सभी कार्यों की संकल्प योजना

इकाई 3

3. गृह प्रवेश, गृहारंभ विधि

इकाई 4

4. गणेश पूजा एवं गणेश स्थापना एवं विर्सजन

इकाई 5

5. पंचांग ज्ञान – सभी भारतीय त्यौहारों एवं तिथियों की जानकारी

## संदर्भ ग्रन्थ –

निर्धारितपाठ्यपुस्तकें, ब्रह्मवर्चस विधि, संस्कार विधि, कर्मकांड भास्कर, स्तोत्र मंजूषा, कुशकंडिका, कर्मकांड प्रबोध, नित्यकर्म पूजा प्रकाश।

## पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी
- भारतीय संस्कृति एवम धर्म के विषय में जान पाएंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय संस्कारों के विषय में जान सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वे सनातन धर्म के कर्मकांड कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी वैदिक मंत्रों का उच्चारण सही तरीके से कर पाएंगे।
- इस पाठ्यक्रम से छात्रों को भारतीय पर्व एवं त्यौहारों के महत्त्व के विषय में जान पाएंगे।

Thakur

नाम एवं हस्ताक्षर

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष – श्री जनेन्द्र कुमार दीवान<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. दिव्या देशपाण्डेय<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुमन बघेल<br><br>विषय विशेषज्ञ – डॉ. सुषमा तिवारी | अन्य विभागीय सदस्य<br><br>1. प्रो. थानसिंह वर्मा<br>2. छात्र प्रतिनिधि –<br>मनीष कुमार वर्मा<br>3.उद्योग जगत से –<br>सुश्री उपमा ठाकुर |